CNews सिटी चीफ

वर्ष-16, अंक-10
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार
ज्ञान एक ऐसा दीपक है जो आपके जीवन में प्रकाश फैलाता है।

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM
बिहार, बुधवार, 16 अप्रैल , 2025
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

पुलिस पर भी हुआ हमला

47-56 गैंग फिर चर्चा में, शराब पार्टी में युवक की पीट-पीटकर हत्या

बेगूसराय, बेगूसराय में अपराधियों ने एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद गुस्साए लोगों ने सड़क जाम कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर हंगामा किया। हालाँकि गुस्सायी भीड़ ने इस हत्या में शामिल एक आरोपी को पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को भीड़ से छुड़ाकर ले जाने लगी । फिर क्या था, यह गुस्सा पुलिस पर भी बरसा गया और लोगों ने पुलिस टीम पर भी हमला कर दिया। पुलिस ने किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाई। घटना नगर थाना क्षेत्र के विष्णुपुर स्थित शुक्कन टोला की है। मृतक की पहचान शुक्कन टोला निवासी प्रवीण कुमार के रूप में की गई है।

घटना के संबंध में परिजनों का कहना है कि आज प्रवीण कुमार को तीन चार दोस्त घर से बुलाकर ले गये। फिर शराब पार्टी पिलायी। शराब पिलाने के बाद उसे बेहरमी से लाठी डांटे से पीट-पीट कर उसकी हत्या कर दी। हत्या की जानकारी मिलते ही परिजन सड़क पर शव को रखकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ हंगामा करने लगे। गुस्सायी भीड़ ने एक आरोपी को पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस भी तब तक वहां पहुँच गई। फिर पुलिस आरोपी युवक को भीड़ से छुड़ाने की कोशिश करने लगी। लेकिन आज लोगों का आक्रोश इस कदर बढ़ा हुआ था कि पुलिस भी लोगों के आक्रोश का शिकार हो गई। लोगों ने पुलिस पर भी हमला कर दिया। हालांकि पुलिस ने किसी तरह आरोपी को भीड़ से छुड़ाकर अपने साथ ले गई।

घटना के संबंध में स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ लड़के प्रवीण को घर से बुलाकर ले गये। फिर शराब की पार्टी हुई। शराब पीने-पिलाने के बाद प्रवीण कुमार को उन लड़कों ने बेहरमी से पीट-पीट कर उसकी हत्या कर दी। हत्या करने के बाद शव को रेलवे लाइन स्थित मनोकामना मंदिर के पास छोड़ दिया। उन्होंने बताया है कि प्रवीण को जबरन काम करने के लिए कहा जा रहा था। प्रवीण काम करने से इनकार कर दिया। इसी बात से नाराज होकर बदमाश योजना के तहत उसे घर से बुलाकर ले गये और उसकी हत्या कर दी।

घटना की सूचना मिलते ही परिजन वहां पहुंचे और फिर शव को अपने साथ लेकर घर आ गये और सुकून टोला के पास सड़क जाम कर बवाल करने लगे। घटना की सूचना मिलते ही सदर डीएसपी सुबोध कुमार मौके पर पहुंचकर किसी तरह सभी लोगों को समझा बूझकर मामले को शांत कराया। इस घटना के संबंध में सदर डीएसपी सुबोध कुमार ने बताया है कि एक युवक को गांव के ही कुछ लोगों ने पीट-पीटकर कर हत्या करने का परिजनों के द्वारा आरोप लगाया गया है। फिलहाल इस हत्या के मामले में एक आरोपी को विरासत में ली गई है उससे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया है कि आपसी रंजिश के कारण पीट पीटकर हत्या की गई है। फिलहाल पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि 47-56 गैंग के लोगों के द्वारा इस घटना को अंजाम दिया गया है। लोगों ने बताया है कि 47-56 गैंग इस क्षेत्र में सक्रिय है।

BJP ने पोस्टर शेयर कर RJD को घेरा

रीतलाल यादव समेत 3 विधायकों को बताया वांटेड ...

बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। लेकिन चुनाव से पहले राजनीतिक दल एक-दूसरे पर हमले का कोई भी मौका छोड़ना नहीं चाहते हैं। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अक्सर अपने एक्स हैंडल पर बिहार में अपराधों की सूची शेयर करते हैं और बिहार की एनडीए सरकार पर हमला करते हैं। अब बिहार बीजेपी की तरफ से अपने आधिकारी एक्स हैंडल पर एक पोस्टर शेयर किया गया है और राष्ट्रीय जनता दल पर बड़ा हमला बोला गया है।

राजद के जिन तीन विधायकों की तस्वीरें बिहार बीजेपी के एक्स हैंडल पर शेयर की गई हैं उनमें- रीतलाल यादव, शंभू नाथ यादव और मनोज यादव की तस्वीर है। साथ ही इन सभी की तस्वीरों के नीचे फरार भी लिखा गया है। इस पोस्टर पर लिखा गया है, अगर RJD के हाथ आई सत्ता इस बार तो न जाने क्या होगा बिहार का हाल। इस पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा गया है, 'भ्रष्टाचारियों को सत्ता में लाना है या बिहार को सुरक्षित बनाना है? फैसला आपका है, सोचिएगा ज़रूर।'

रीतलाल यादव के ठिकानों पर पड़ी थी रेड

आपको बता दें कि राजद के चर्चित विधायक रीतलाल यादव के पटना के दानापुर स्थित ठिकानों समेत कई अन्य ठिकानों पर हाल ही में पुलिस ने दबिश दी थी। इस छापेमारी में करीब 10 लाख रुपये कैश, चेक, पेन ड्राइव और वॉकी-टॉकी समेत अन्य सामान बरामद किए गए थे। पटना के ही रहने वाले एक बिल्डर कुमार गौरव ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि रीतलाल यादव और उनके सहयोगियों ने उनसे रंगदारी मांगी है और जान से मारने की धमकी भी दी है। जिसके बाद पुलिस का यह ऐक्शन देखने को मिला था। हालांकि, रेड के दौरान विधायक आवास पर नहीं मिले थे।

इस छापेमारी को लेकर रीतलाल यादव ने एक्स पर कहा था कि, चुनाव से पहले करीब 1000-1500 की संख्या मे बिहार पुलीस प्रशासन बिना किसी सर्च वारंट के और बिना सूचना के मेरे घर छापेमारी कर मुझे और मेरे परिजनों को अकारण मानसिक रूप से सुबह से लगातार अभी तक जिस तरीके से परेशान किया जा रहा है और पूछने पर कुछ बताया भी नही जा रहा है। महिलाओ को बेवजह तंग किया जा रहा है। मेरी सामाजिक व राजनीतिक छवि को धूमिल करने की असफल कोशिश की जा रही है। उससे यह पूर्णत साबित होता है कि उक्त कार्रवाई राजनीतिक द्वेषपूर्ण भावना और ओछी मानसिकता का परिचायक है।

विधायक शंभू नाथ यादव के कार्यक्रम में हुआ था हंगामा

इधर बक्सर जिले के ब्रह्मपुर से विधायक शंभू नाथ यादव पर हाल ही में महिलाओं से अभद्रता का आरोप लगा था। विधायक शंभू नाथ यादव पर आरोप लगा था कि जिले में साड़ी वितरण कार्यक्रम के दौरान उन्होंने महिलाओं को धक्का दिया था। इसके अलावा यह भी आरोप था कि उन्होंने महिलाओं के सिर पर साड़ी से मारा था। इस साड़ी वितरण कार्यक्रम में जमकर हंगामा हुआ था और भगदड़ जैसी स्थिति भी बन गई थी।

मनोज कुमार यादव पर केस हुआ है दर्ज

बता दें कि बिहार के मोतिहारी में कल्याणपुर विधानसभा से राजद के विधायक सह पार्टी जिलाध्यक्ष मनोज कुमार यादव भी हाल ही में चर्चा में आए थे। उनपर कोटवा थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। राजद विधायक पर सरकारी कार्य में बाधा डालने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, नाजायज मजमा लगाने सहित कई संगीन आरोप लगाये गए हैं। विधायक पर आरोप है कि यहां एनएच पर बने अवैध कट को एनएचआई द्वारा स्थानीय दंडाधिकारी एवं प्रशासन की मौजूदगी में बंद किया जा रहा था। कट पर गार्डर लगाने का अधिकांश कार्य हो चुका था। इसी बीच विधायक अपने समर्थकों के साथ आए और जनहित में कट को बंद करने का विरोध करने लगे।

नीतीश कुमार के CM फेस पर बेटे निशांत का मास्टरस्ट्रोक

पटना, बिहार में इसी साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। सियासी बिसात बिछाई जाने लगी है। इस बीच, नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार का मास्टरस्ट्रोक बयान आया है। उन्होंने कहा कि बिहार में एनडीए के नेतृत्व में सरकार बनेगी और उनके पिताजी नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री पद का चेहरा होंगे।

निशांत कुमार ने मीडिया से बात करते हुए कहा, जनता से अपील करता हूं कि एनडीए के नेतृत्व में, पिताजी के नेतृत्व में सरकार बनाएं। अमित शाह (केंद्रीय गृह मंत्री) अंकल आए थे, उन्होंने भी कहा कि पिताजी ही ष्टरू फेस रहेंगे। सम्राट चौधरी (उपमुख्यमंत्री) जी ने भी कहा कि 15-15 साल हम साथ हैं। पिताजी के नेतृत्व में चुनाव लड़ें, जीतें और विकास का काम जारी रखें।

विपक्ष के आरोपों पर निशांत का पलटवार

विपक्ष की ओर से यह दावा किया जा रहा था कि चुनाव के बाद बीजेपी नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाएगी। इस पर निशांत ने जवाब देते हुए कहा, क्यों नहीं बनाएगी? अभी अमित शाह अंकल बोलकर गए हैं और सम्राट जी ने भी कहा कि 15 साल से वह हमारे नेता हैं। कोई सवाल ही नहीं उठता।

स्वास्थ्य पर उठे सवालों को किया खारिज

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तबीयत को लेकर विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवालों को निशांत कुमार ने सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, वह 100त्न ठीक हैं, स्वस्थ हैं। जनता देख रही है, और जनता ही फैसला लेगी। बिहार की जनता से अनुरोध है कि 2010 में जो बहुमत दिया, उससे भी यादा बहुमत इस बार दें।

जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार की प्रतिक्रिया

निशांत के इस बयान के बाद जेडीयू के वरिष्ठ प्रवक्ता नीरज कुमार ने उनकी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, नीतीश जी के पुत्र निशांत जो सौम्य, सादगी और सरल स्वभाव के नौजवान हैं, उनकी राजनीतिक टिप्पणी ने ऐसा मास्टरस्ट्रोक दिया है कि विरोधी चारों खाने चित्त हो गए और एनडीए कार्यकर्ता उत्साहित हैं। उन्होंने आगे कहा, लक्ष्य तय हुआ है कि 2010 से भी बेहतर स्थिति में एनडीए वापस आए। निशांत सक्रिय राजनीति में आएंगे या नहीं, यह वक्त बताएगा, लेकिन उनके मास्टरस्ट्रोक ने तेजस्वी यादव को राजनीति के पवेलियन में भेज दिया है।

अंचालधिकारी के ठिकानों पर छापेमारी कर रही एसवीयू की टीम

कालाधन कमाने का आरोप

नीतीश सरकार ने एक और भ्रष्ट अधिकारी पर बड़ी कार्रवाई की है। अंचालधिकारी (निलंबित) प्रिंस राज के दो ठिकानों पर छापेमारी चल रही है। विशेष निगराई इकाई (एसवीयू) की अलग-अलग टीम प्रिंस राज के शेखुपरा और मधुबनी स्थित ठिकाने पर पहुंची। डीएसपी स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति के मामले में की गई है।

एसवीयू के अनुसार, जांच में चला कि प्रिंस राज के पास उनकी आय से 90 प्रतिशत संपत्ति है। 2019 में प्रिंस राज अंचलाधिकारी बने थे। योगदान के दौरान करीब 28 लाख दो हजार रुपये की संपत्ति नाजायज ढंग से अर्जित की। इसका कोई स्पष्टीकरण उनके पास नहीं है। इसके अलावा प्रिंस राज ने जमीन, मकान में जो निवेश किया है, उन स्थानों का स्पष्ट उल्लेख उनके द्वारा बताई गई संपत्ति में नहीं है।

एसवीयू की ओर से बताया कि प्रिंस राज ने बैंक, जमीन और फ्लैट मिलाकर उन्होंने 45 लाख दो हजार रुपये की संपत्ति का जिक्र किया है। जबकि सरकार सेवा में सैलरी व अन्य भर्तों के जरिए उन्होंने तीस लाख रुपये ही प्राप्त किया। इसमें से 13 लाख रुपये उन्होंने खर्ज और 17 लाख रुपये बताया है। लेकिन, जांच में पता चला कि 28 लाख दो हजार रुपये उन्होंने नाजायज ढंग से कमाया है। इतना ही नहीं घर की तलाश के दौरान और भी संपत्ति का पता चला, जिसका खुलासा प्रिंस राज ने नहीं किया। फिलहाल मधुबनी और शेखपुरा में छापेमारी चल रही है।

लखीसराय जिले के मानिकपुर थाना पुलिस ने 16 लीटर देशी महुआ शराब के साथ किया गिरफ्तार

उत्तम कुमार. सिटी चीफ

लखीसराय, लखीसराय जिले के सूर्यगढ़ा बिधानसभा मानिकपुर थाना पुलिस ने एक महिला को 16 लीटर देसी महुआ शराब के साथ किया गिरफ्तार । मानिकपुर थाना पुलिस ने बताया कि कवादपुर पंचायत के रेपुरा मुसहरी गांव निवासी जयमंती देवी पति वकील सदा को 16 देशी महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है गिरफ्तार करके न्यायिक हिरासत में लखीसराय जेल भेज दिया गया

शुरू हुई बिहार चुनाव की तैयारी

इलेक्शन कमीशन दे रही बूथ लेवल एजेंटों को ट्रेनिंग

पटना, बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होना है। सभी राजनीतिक पार्टियां तो पहले से ही तैयारी में जुट चुकी हैं। अब भारतीय चुनाव आयोग ने भी बिहार में आगामी चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है। निर्वाचन आयोग राय के 200 से ज़्यादा बूथ लेवल एजेंटों को ट्रेनिंग दे रहा है। सूत्रों के मुताबिक, आज बूथ लेवल एजेंट दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट में राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

कब होंगे चुनाव?

बता दें कि बिहार की वर्तमान यानी नीतीश सरकार का कार्यकाल 23 नवंबर 2020 से शुरू हुआ था। ह्ढ्ठ की नीतीश सरकार का कार्यकाल इस साल 2025 में 22 नवंबर तक है। जाहिर है कि इससे पहले चुनाव होंगे। माना जा रहा है कि सितंबर से अक्टूबर के बीच आचार संहित लग जाएगी। माना ये भी जा रहा है कि अक्टूबर से नवंबर के शुरुआती हफ्ते के बीच वोटिंग और मतों की गिनती संपन्न कराई जा सकती है। चुनाव की तारीखों पर अंतिम फैसला चुनाव आयोग ही लेगा।

2020 में कब हुए थे विधानसभा चुनाव?

2020 की बात करें तो उस दौरान बिहार में तीन चरणों में चुनाव कराए गए थे। पहले चरण में 71 विधानसभा सीटों पर 28 अक्टूबर 2020 को वोट डाले गए थी। वहीं दूसरे चरण में 3 नवंबर को 94 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ था।

वहीं तीसरे और आखिर चरण के लिए 7 नवंबर को 78 विधानसभा सीटों पर वोट डाले गए थे। 10 नवंबर 2020 को वोटों की गिनती हुई थी। प्रशासनिक तैयारियों ने भी पकड़ा जोर राय में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक तैयारियों ने भी जोर पकड़ लिया है। एक ओर जहां सभी राजनीतिक पार्टियों द्वारा विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति बनाई जा रही है और उस रणनीति को जमीनी स्तर पर उतारने की भी कोशिश की जा रही है। वहीं, दूसरी ओर प्रशासनिक तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है। यहां तक की चुनाव में प्रयुक्त होने वाले सामग्री आपूर्ति को लेकर निविदा तक का प्रकाशन कर दिया गया है। जबकि कम प्रतिशत वाले मतदान केंद्रों पर मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर जल्द ही बैठकों का दौर शुरू करने की तैयारी की जा रही है।